

16  
12  
2

पत्रावली पृष्ठों को संयोजित करने पर  
आपाथी ने जलाने पर विचार जो शांतिपत्रावली  
है। आपाथी के प्रार्थना पत्र के अंतर्गत खान  
कुर्सी के द्वारा अतिरिक्त की बात सुनी है  
द्वारेण अनन्य कुर्सी को पढ़ना (गरीबों के लिए)  
गिर साधक की संसाधन विचारों को संयोजित

नहीं है। प्राचीन का प्राचीन पक्षगाँव का  
जु संयोजन हो तब ही अपूर्ण दस्तावेजों के साथ  
पेक्षा विधि का के कारण ब्याजि विधि जाने  
योग्य होने से ब्याजि विधि जाना ही परावली  
कुछ लक्ष्य हुआ होकर नाम (ले कम की जाकर  
दो विधि दस्तावेज है।

16/12/23  
नवलखण्ड अधिकारी  
बीपाड़ शहर (जोधपुर)